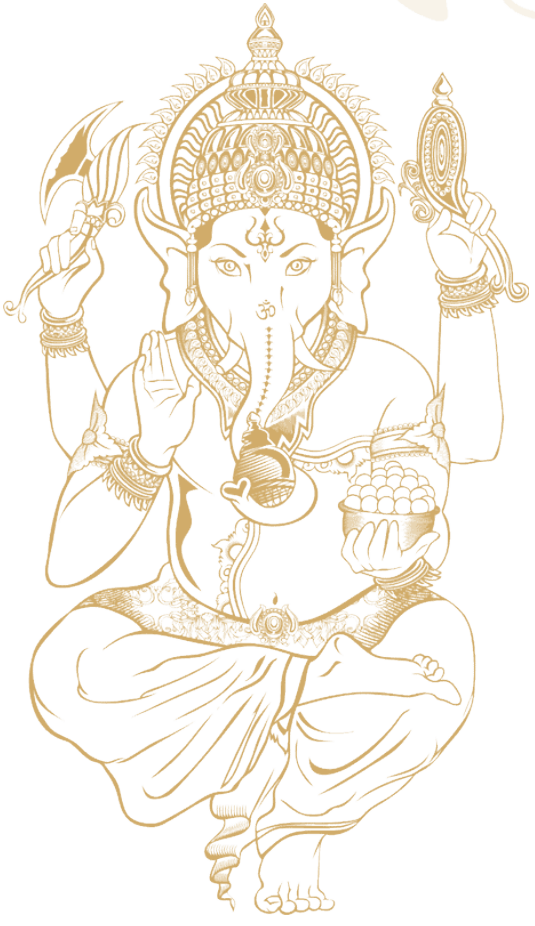

Ashutosh Mishra

Deepti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120858804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/09/1993	जन्म तिथि	18/04/1992
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 19:55:00	जन्म समय	14:25:00 घंटे
घटी 35:22:58	जन्म समय(घटी)	22:10:56 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Gorakhpur
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	26:45:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:48	सूर्योदय	05:30:04
18:00:15	सूर्यास्त	18:21:58
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:14

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 17वर्ष 7मा 9दि	11:57:44	मेष	लग्न	सिंह	12:58:10	राहु 0वर्ष 3मा 13दि
गुरु	01:54:34	कन्या	सूर्य	मेष	04:49:16	शनि
29/04/2011	06:57:25	तुला	चंद्र	तुला	19:47:13	01/08/2008
29/04/2027	00:32:07	तुला	मंगल	कुंभ	22:44:08	02/08/2027
गुरु 16/06/2013	17:53:31	कन्या	बुध	मीन	08:20:09	शनि 05/08/2011
शनि 28/12/2015	24:53:48	कन्या	गुरु व	सिंह	11:06:59	बुध 14/04/2014
बुध 04/04/2018	02:34:51	सिंह	शुक्र	मीन	19:53:24	केतु 24/05/2015
केतु 11/03/2019	01:06:36	कुंभ व	शनि	मक	23:26:40	शुक्र 23/07/2018
शुक्र 09/11/2021	11:48:51	वृश्चि व	राहु व	धनु	08:54:19	सूर्य 05/07/2019
सूर्य 28/08/2022	11:48:51	वृष व	केतु व	मिथु	08:54:19	चन्द्र 03/02/2021
चन्द्र 28/12/2023	24:29:15	धनु व	हर्ष	धनु	24:15:24	मंगल 15/03/2022
मंगल 03/12/2024	24:38:21	धनु व	नेप	धनु	25:12:09	राहु 19/01/2025
राहु 29/04/2027	29:33:10	तुला	प्लूटो व	तुला	28:27:19	गुरु 02/08/2027

लग्न-चलित

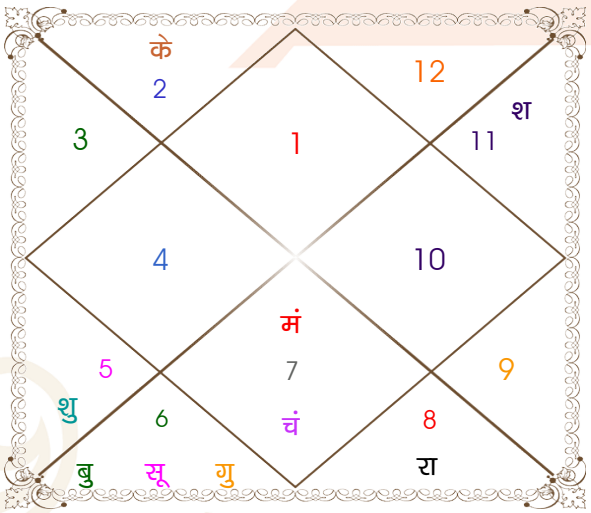

लग्न-चलित

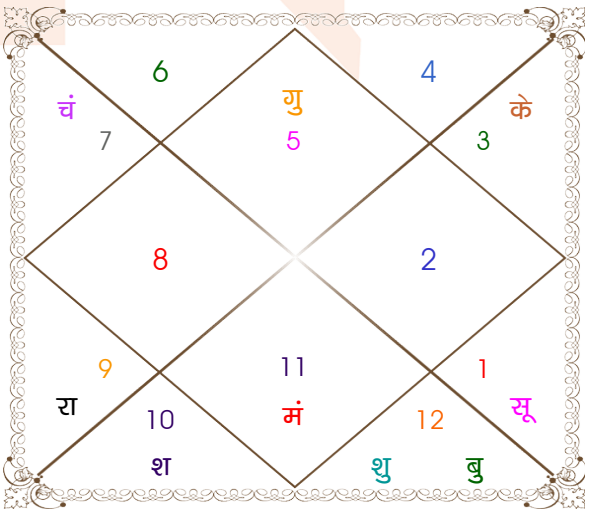

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

ीनजवी डपीतं का वर्ग मृग है तथा क्ममचजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीनजवी डपीतं और क्ममचजप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ीनजवी डपीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ीनजवी डपीतं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

क्ममचजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि क्ममचजप कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि क्ममचजप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ीनजवी डपींतं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ीनजवी डपींतं तथा क्ममचजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।